31 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

# GENERAL STUDIES (Module – 8)

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time allowed: Three Hours*

**DTVF/19 (N-M)–M–GS18**

अधिकतम अंक: 250
*Maximum Marks: 250*

**Name:** VIVESH **Mobile Number:** _____

**Medium (English/Hindi):** Hindi **Reg. Number:** Awake-19/F11

**Center & Date:** M. Ngr. 30 Aug 19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0877016

## प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

*कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:*
*इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।*
*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
*प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।*
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*
*प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।*
*प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।*

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:***
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
*All the questions are compulsory.*
*The number of marks carried by a question is indicated against it.*
*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*
*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*
*Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

| Question Number | Marks | Question Number | Marks |
|---|---|---|---|
| 1. | | 11. | |
| 2. | | 12. | |
| 3. | | 13. | |
| 4. | | 14. | |
| 5. | | 15. | |
| 6. | | 16. | |
| 7. | | 17. | |
| 8. | | 18. | |
| 9. | | 19. | |
| 10. | | 20. | |
| Grand Total ( सकल योग ) | | | |

मूल्यांकनकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Evaluator (Signature)*

पुनरीक्षणकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Reviewer (Signature)*

## खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1. सूचना का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2019 की प्रमुख विशेषताएँ कौन-सी हैं? यह विधेयक देश की पारदर्शी शासन व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित करता है? (150 शब्द) 10

What are the key features of the Right to Information (Amendment) Bill 2019? How does the Bill affect the transparency regime in the country? (150 words) 10

सर्वोच्च न्यायालय की अनुच्छेद 19 के तहत 'जानने के अधिकार' को मूलाधिकार के रूप में मान्यता को विधायी रूप देने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 लागू किया

संशोधन विधेयक

→ मुख्य सूचना आयुक्त व अन्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका का विस्तार किया गया है

→ पद, वेतन भते व लाभ का निर्धारण सरकार द्वारा

→ पदोन्नति का निर्धारण कार्यपालिका द्वारा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

## पारदर्शी शासन पर प्रभाव

(i) हितों का टकराव

सूचना आयुक्त कार्यालय को कार्यपालिका से स्वतंत्र रखने की आवश्यकता है।

↓

कार्यपालिका का हस्तक्षेप कार्यपालिका व सूचना आयुक्तों में हितों का टकराव उत्पन्न करेगा

(ii) राजनीति निर्धारण / नियंत्रित संस्था के रूप में RTI




RTI अधिनियम की सफलता इस संस्था की स्वतंत्रता, गैर हस्तक्षेप, से ही संभव है जिसमें कार्यपालिका की भूमिका सीमित होना ही बेहतर विकल्प है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संशोधन प्रक्रिया की व्याख्या कीजिये। सामान्यतः संशोधन प्रक्रिया की आलोचना क्यों की जाती है? (150 शब्द) 10

Describe the procedure of amendment of the Constitution of India under Article 368. Why this amendment procedure has been often criticized? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान को नम्यता व कठोरता का सम्मिश्रण कहा जाता है। यह इसकी संशोधन की विभिन्न प्रणालियों की विशेषता के कारण कहा जाता है। विशेष परिस्थितियों (राज्य पुनर्गठन, राज्य नाम परिवर्तन) में ~~अनुच्छेद~~ साधारण बहुमत के अलावा 368 में संविधान संशोधन की दो प्रक्रियाएं हैं

368

→ उपस्थित व वोटिंग का 2/3 + संसद का बहुमत
विषय - संविधान के उपबंधों में संशोधन
मूल अधिकारों में संशोधन आदि
(गैर संघकारी प्रकृति के विषय)

→ 2/3 बहुमत + आधे राज्यों की सहमति
संघीय प्रणाली को प्रभावित करने वाले विषय
- राज्य सभा में सीट आवंटन
- चुनाव प्रणाली में संशोधन
- उच्च न्यायालय से संबंधित



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संशोधन प्रक्रिया की आलोचना क्यों?

* राज्यों के पुनर्गठन की शक्ति पूर्णतया केंद्र के पास होने के कारण - राज्यों द्वारा आलोचना
* राज्य सभा व लोक सभा दोनों से प्रस्ताव पास होने की अनिवार्यता (संयुक्त बैठक का प्रावधान नहीं)
  - राज्य सभा में बहुमत ना होने पर सत्तापक्ष सरकार द्वारा आलोचना
* कई संशोधनों की कठिन प्रकृति यथा आधे राज्यों की सहमति की आवश्यकता
* अधिक बहुमत की स्थिति में मनमाना व्यवहार (70-80 के दशक में)

भारतीय शासन व्यवस्था की माला भारतीय संविधान स्थापित है। इसमें बदलते स्वरूप के साथ बदल जाने की संभावना होनी चाहिए साथ ही मौलिक भावनाओं व आदर्शों की अक्षुण्णता की परिरक्षित होनी चाहिए।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

d drishti | दृष्टि The Vision

3. 'जनहित का प्रत्येक विषय जनहित याचिका का विषय नहीं हो सकता है'। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

'Every matter of public interest cannot be a matter of public interest litigation'. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न्यायपालिका में नवाचार के रूप में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पी. एन भगवती ने जनहित याचिका की शुरुवात की। यह व्यापक स्तर पर प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने का साधन बना।

- व्यापक रूप से प्रभावित लोगों की सामूहिक आवाज बनता है
- सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच न रखने वाले लोगों को न्याय का विकल्प प्रदान करता है।
- जनहित याचिका की आवश्यकता एवं महत्व
- उदा. मुम्बई फुटपाथ पर रहने वाले झुग्गियों पर निर्णय LGBT समुदाय पर निर्णय
- यह सामाजिक राजनीतिक व आर्थिक न्याय के प्रस्तावना के आदर्श को स्थापित करने में मददगार बनता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लेकिन पिछले कुछ वर्षों से बढ़ती जनहित याचिकाओं की संख्या इसके उद्देश्य को धुंधला करती है-

* जनहित याचिका कई बार व्यक्ति विशेष के स्वार्थ से उत्प्रेरित होती हैं
* कभी कभी यह व्यक्तिगत, राजनीतिक महत्वाकांक्षा प्रेरित भी हो सकती है।
* जनहित याचिका को निर्धारित करने की कोई वस्तुनिष्ठ मानक या सिद्धांतों की अनुपस्थिति है।
* यह न्यायपालिका के बोझ को बढ़ाती है जिसका प्रभाव सामान्य न्याय तंत्र पर पड़ता है।

सबके लिए न्याय भारतीय संविधान का आदर्श है जिसमें जनहित याचिका एक प्रगतिशील धारणा हो शर्त यह है कि इसका स्वरूप जन हित हो। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनहित याचिका हेतु नियम कड़ी टिप्पणियों को कम करेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. भारत में कार्यपालिका पर संसदीय नियंत्रण कई सीमाओं से ग्रस्त है। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Parliamentary control over executive in India is riddled with several limitations. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत ने ब्रिटिश वेस्टमिन्स्टर मॉडल को अपनाया जिसमें कार्यपालिका (अस्थायी) को विधायिका से चुना जाता है। कार्यपालिका पर नियंत्रण हेतु पर्याप्त व्यवस्था की गई है जो संसद के माध्यम से सुनिश्चित होती है




**कार्यपालिका पर संसदीय नियंत्रण**

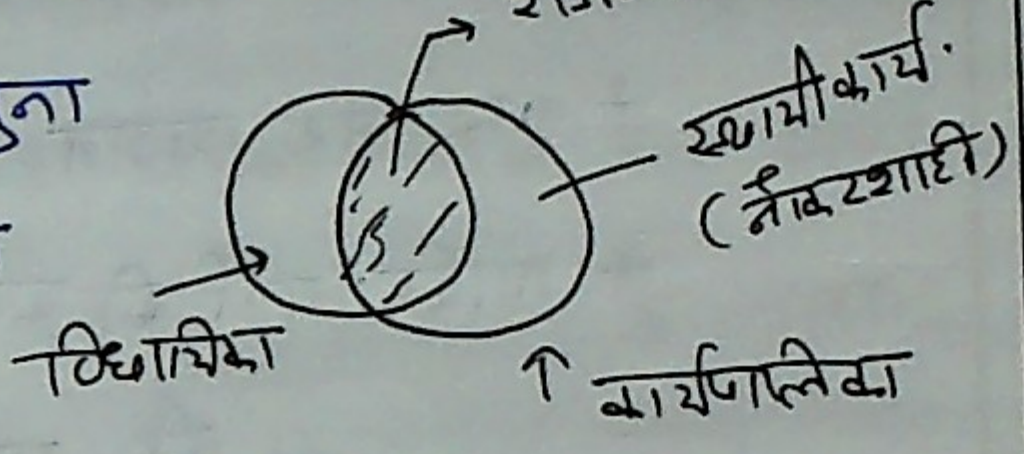

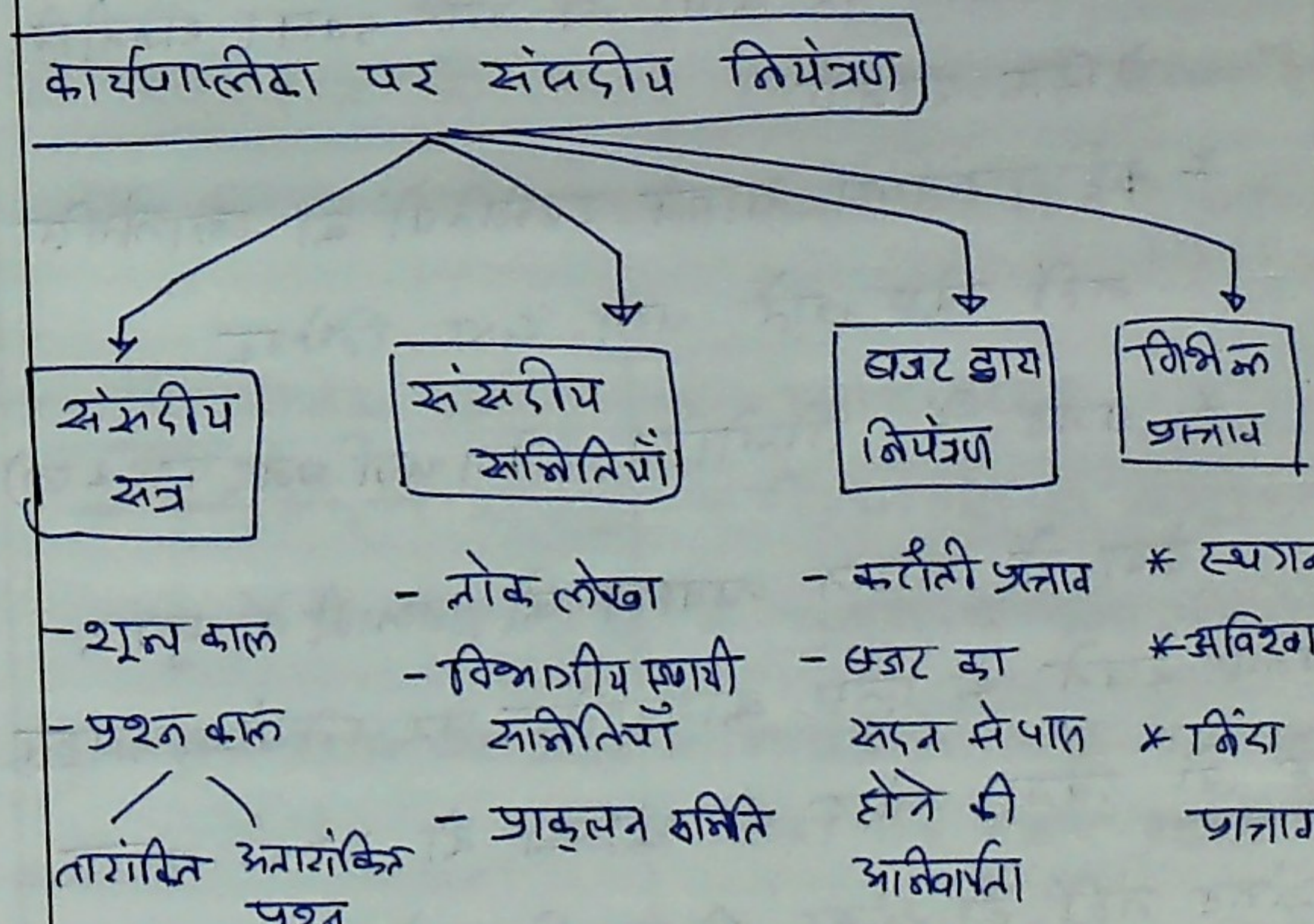

- **संसदीय सत्र**
  - शून्य काल
  - प्रश्न काल
    - तारांकित
    - अतारांकित प्रश्न
- **संसदीय समितियाँ**
  - लोक लेखा
  - विभागीय स्थायी समितियाँ
  - प्राक्कलन समिति
- **बजट द्वारा नियंत्रण**
  - कटौती प्रस्ताव
  - बजट का सदन से पास होने की अनिवार्यता
- **विभिन्न प्रस्ताव**
  - * स्थगन
  - * अविश्वास
  - * निंदा प्रस्ताव



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## कार्यपालिका पर संसदीय नियंत्रण की सीमाएँ

* नियंत्रण की सर्वोच्च संस्था संसद है जिसमें
    * बैठकों की घटती संख्या (पिछले वर्ष केवल 65 बैठकें)
    * बार बार स्थगन
    * तार्किक चर्चा की कमी

    की समस्याएँ देखने को मिलती हैं।
* विभागीय स्थायी समितियों व बजट से जुड़ी समितियों पर कार्यों का अति दबाव + राजनीति प्रेरित घटनाएँ
* कई महत्वपूर्ण मामले समितियों को स्थानांतरित नहीं किए जाते यथा GST विधेयक
* बजट में गिलोटिन (बिना चर्चा बजट पास करना)

देश में शासन व्यवस्था को प्रभावी व सुचारु बनाए रखने के लिए कार्यपालिका पर नियंत्रण आवश्यक है जो बिना संसद की भूमिका को प्रभावी बनाए संभव नहीं है। संसद की प्रभाविता को बढ़ाया जा सकता है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. राजनीतिक दलों और दबाव समूहों के बीच विभेदन कीजिये। सरकार की नीतियों को प्रभावित करने हेतु दवाब समूहों द्वारा कौन-से प्रमुख तरीके अपनाए जाते हैं? (150 शब्द) 10

Distinguish between political parties and the pressure groups. What are some of the prominent ways in which pressure groups try to influence the policies of the government? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

राजनीतिक दल एक समूह है जो निश्चित उद्देश्यों, आदर्शों, घोषणाओं के साथ चुनाव प्रक्रिया में भाग लेता है। यह बहुमत प्राप्त कर सत्ता प्राप्त कर प्राधिकारों का प्रयोग करता है यथा कांग्रेस, बीजेपी, बसपा आदि

दबाव समूह हितधारकों का ऐसा समूह है जो बिना प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में भाग लिए सत्ता को अपने हित में निर्णय हेतु संभावनाएँ जुटाता है। जैसा कृषक- राष्ट्रीय कृषक संघ विद्यार्थी - ABVP NSUI

| राजनीतिक दल | दबाव समूह |
|---|---|
| * प्रतिनिधियों का समूह | * हितधारकों का समूह |
| * चुनावों में भाग लेते हैं | * चुनावों में भाग नहीं लेते |
| * बहुमत प्राप्ति पर शासन करते हैं। | * शासन में भाग ना लेकर सत्ता पर दबाव डालते हैं। |
| * सत्ता में प्रत्यक्ष भागीदारी | * प्रत्यक्षतः शामिल नहीं होते |



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

## दबाव समूह द्वारा अपनाए जाने वाले तरीके

* समूह की अभिव्यक्ति को सरकार तक पहुंचाते हैं। इसके लिए
  - समाचार चैनलों में डिबेट में भागीदारी
  - सोशल मीडिया पर अभियान
  - सार्वजनिक स्थलों पर अभिव्यक्ति
  - पत्र संदेश आदि के माध्यम से

* हितों के विरुद्ध निर्णय होने पर
  - विरोध प्रदर्शन
  - धरना
  - अनशन
  - बहिष्कार
  - जनहित याचिका

  का सहारा लेते हैं।  LGBT समुदाय

* अपनी विचारधारा रखने वाले व्यक्तियों को सत्ता, प्रशासन, नीति निर्माण में शामिल करने का प्रयास करते हैं।

दबाव समूह सरकार व जनता के बीच की कड़ी बनकर सत्ता को संवेदनशील मुद्दों पर जागरूक बनाने के साथ-साथ उत्तरदायी बनाने का प्रयास करते हैं।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. जहाँ एक ओर सरोगेसी (विनियमन) विधेयक 2019 भारत में सरोगेसी से संबंधित विभिन्न मुद्दों को संबोधित करता है, वहीं दूसरी ओर इसकी कमियों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

While the Surrogacy (Regulation) Bill 2019 does address various issues relating to surrogacy in India, its drawbacks can not be overlooked. Discuss. (150 words) 10

किसी वैवाहिक संबंध के अतिरिक्त किसी तृतीय पक्ष (अन्य महिला) द्वारा बच्चे को जन्म दिए जाना सरोगेसी कहलाता है। सरोगेसी से जुड़ी कई सामाजिक, आर्थिक व नैतिक चिंताएँ हैं जिसको ध्यान में रखते हुए सरोगेसी अधिनियम में संशोधन किया गया है

**अधिनियम की विशेषताएँ**

* यह व्यवसायिक सरोगेसी को पूर्णतः समाप्त करता है।
* विशेष परिस्थितियों में करीबी रिश्तेदारों तक ही इसे सीमित करता है।
* इसे दंडनीय अपराध के रूप में परिभाषित करता है।
* महिलाओं के खिलाफ शोषण से सुरक्षा प्रदान करता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

## सरोगेसी अधिनियम का विश्लेषण

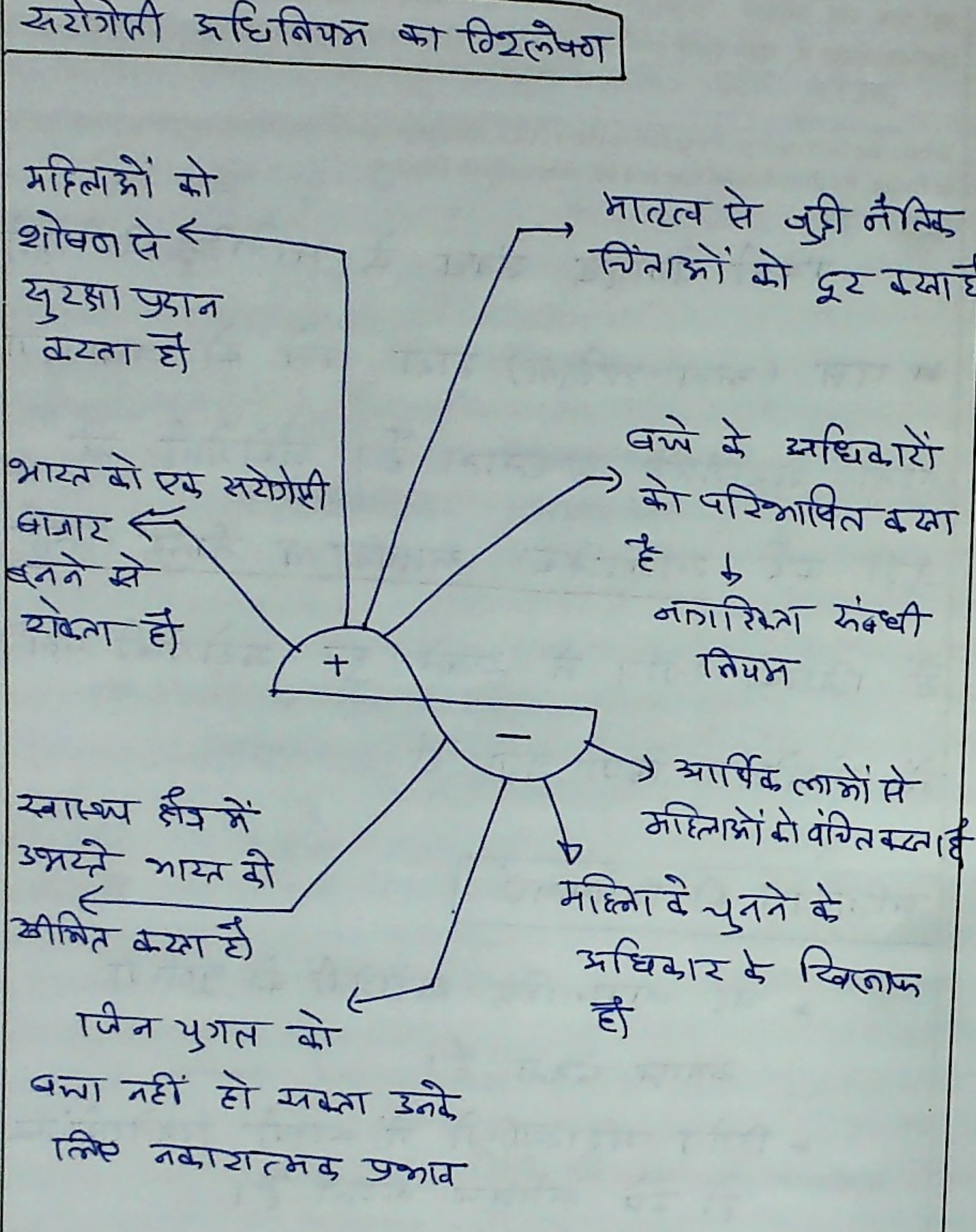


सरोगेसी एक संवेदनशील मुद्दा है। शोषण से जुड़ी चिंताओं को दूर कर इसके नैतिक पक्षों को संबोधित करने का प्रयास अधिनियम में किया गया है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. यद्यपि स्थानीय चुनाव लड़ने के लिये न्यूनतम शिक्षा की अनिवार्यता एक प्रगतिशील कदम है, किंतु इस कदम के साथ मौजूदा चुनौतियों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। टिप्पणी कीजिये।
(150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

While mandating minimum education criteria for contesting local elections is a progressive move, the associated challenges with this move can not be ignored in the current scenario. Comment.
(150 words) 10

हाल ही में राजस्थान में पंचायती राज चुनावों में शैक्षिक अनिवार्यता के प्रावधान को खत्म किया गया।

न्यूनतम शिक्षा की अनिवार्यता एक प्रगतिशील कदम:-

↳ यह कानून नियमितताओं की अवधि में शिक्षा शामिल कर उन्हें अधिक प्रगतिशील, संवेदनशील व जागरूक रहने की अपेक्षा करता है

↳ यह प्रतिभाओं को शासन व राजनीति में शामिल होने को प्रेरित करता है

↳ यह इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि

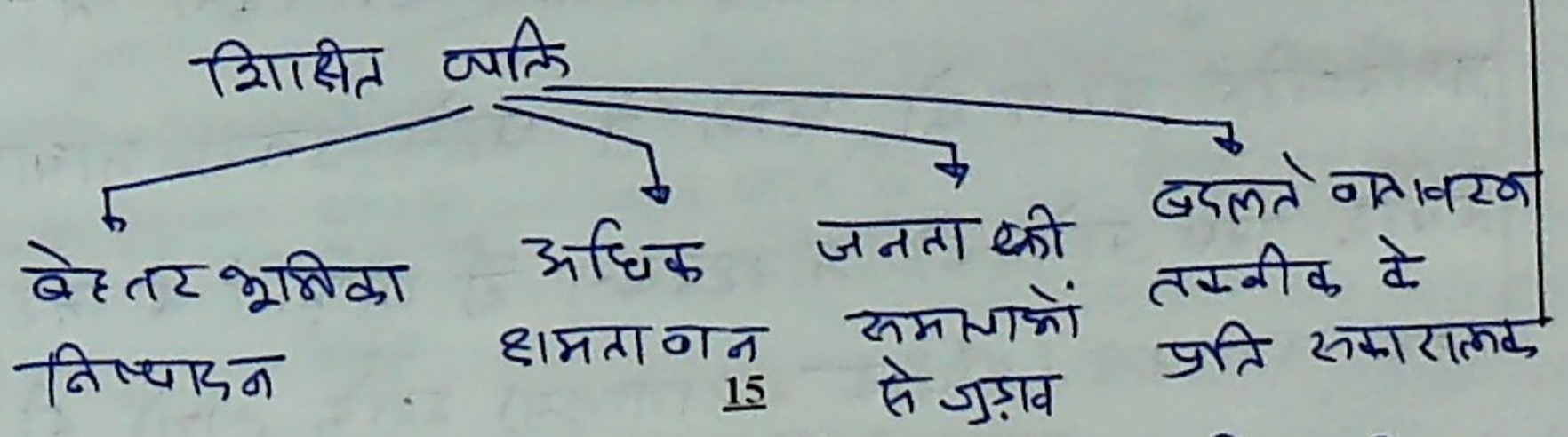




www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यूनतम शिक्षा की अनिवार्यता चुनौती के रूप में

* यह संविधान के अनु. 15 के समानता के आदर्श के विरुद्ध है।
* संविधान में अर्हताओं में शामिल नहीं
* जनप्रतिनिधि का निर्धारण शिक्षा से नहीं हो सकता
  ↓
  यह लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ
  ↓
  एक व्यक्ति एक मत
  व समानता का सिद्धांत
* पुरानी पीढ़ी के एक बड़े हिस्से को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करता है
  ↓
  अनुभव का लाभ जनता को नहीं मिलेगा।

लोकतंत्र समानतावादी दृष्टिकोण है। किसी भी प्रगतिशील कदम को लाने से पहले उसका आधार तैयार किए जाने की आवश्यकता है। पीढ़ियों के स्तर पर समानता (शैक्षिक समानता) इसके लाभों की प्राप्ति में सहायक होगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. कठोर दंड देने के आडंबर में हमें पोक्सो (POCSO) अधिनियम के क्रियान्वयन संबंधी समस्याओं से ध्यान नहीं भटकाना चाहिये। POCSO (संशोधन) विधेयक 2019 के संदर्भ में इसकी विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

The rhetoric over severe punishments should not deflect our attention from the problems related to implementation of POCSO Act so far. Discuss in the context of POCSO (Amendment) Bill 2019. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

POCSO अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों, यौन गतिविधियों व शोषण से बचाने हेतु लागू किया गया कानून है। कठोर कानून के बाद भी देश के आधे बच्चे यौन उत्पीड़न का शिकार है।

- क्रियान्वयन संबंधी समस्याएँ
  - → 80% मामलों में अपराधी करीबी रिश्तेदार → रिपोर्टिंग की कमियाँ
  - → सामाजिक अपयश, कलंक आदि के चलते आत्मीयजनों द्वारा शिकायत न करना
  - → प्रशासन की असंवेदनशीलता
    - मामले को दबा देना
    - शिकायत वापस लेने हेतु प्रेरित
    - पूछताछ जांच आदि में गैर संवेदनशीलता
    - पर्याप्त फोरेंसी कोर्ट का अभाव



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बच्चों के प्रति यौन अपराधों से निपटने की रणनीति कठोर कानूनों की रही है। यथा POCSO में संशोधन

- दण्ड की मात्रा को बढ़ाया गया
- जुवेनाइल बालिका से यौन शोषण → मृत्युदंड की सजा
- सजा की न्यूनतम अवधि को बढ़ाया गया
- 18 वर्ष से कम को जुवेनाइल घोषित किया गया

**अधिनियम का विश्लेषण**

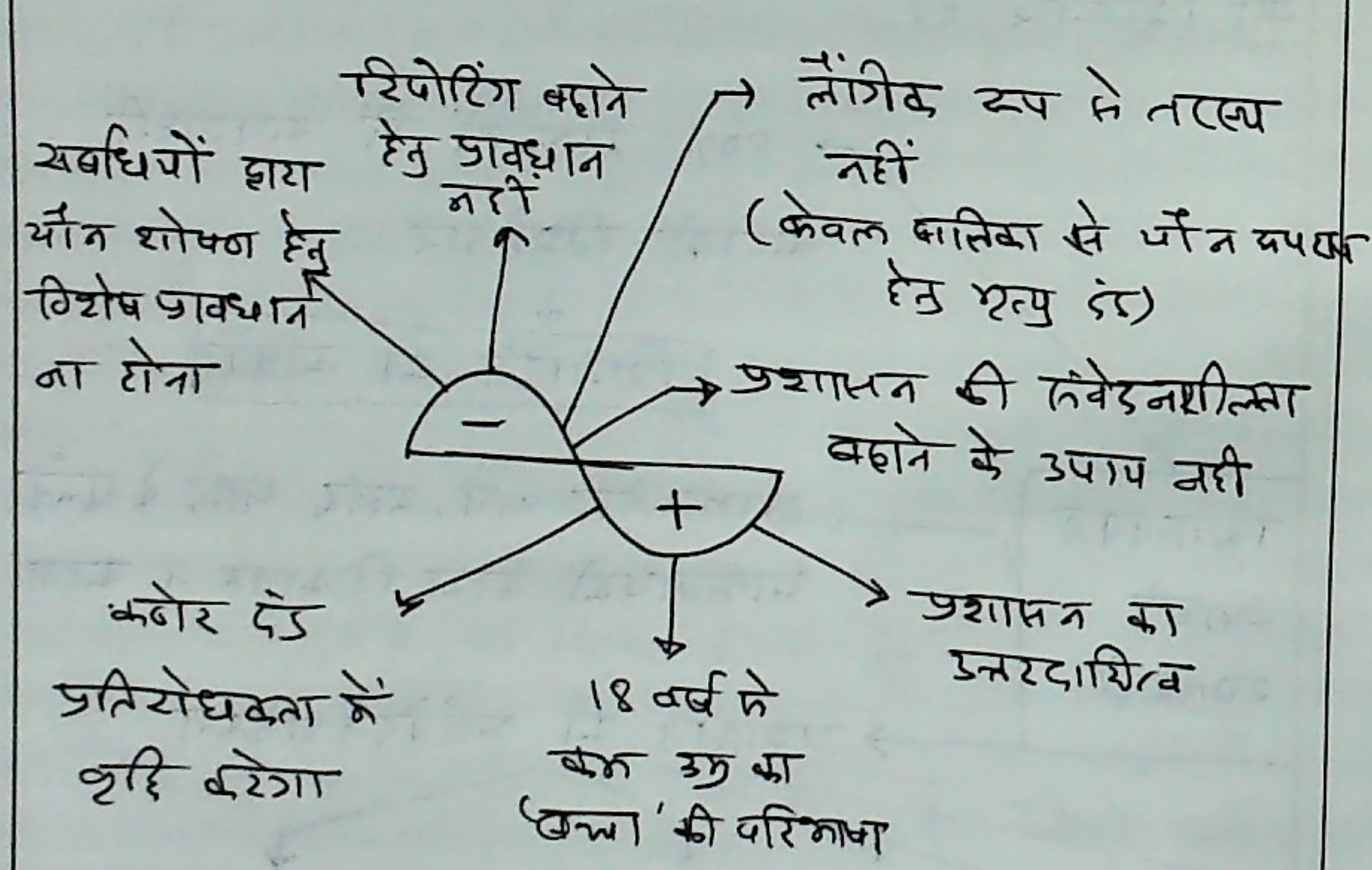




POCSO अधिनियम की सफलता हेतु केवल कानून पर्याप्त नहीं। इसके लिए परिवार, प्रशासन, समाज स्तर पर बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. हाल ही में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) की बैठक में भारत की भागीदारी को 'ऐतिहासिक' क्यों कहा गया है? भारत के लिये इसका क्या भू-राजनीतिक महत्त्व है? (150 शब्द) 10

Why the recent participation of India in the Organization of Islamic Cooperation (OIC) meeting has been termed 'historic'? What is its geopolitical significance for India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस्लामिक सहयोग संगठन मध्य एशिया, दक्षिण पश्चिम एशिया के इस्लामिक राष्ट्रों का एक सहयोग संगठन है जिसमें उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान आदि शामिल हैं।

भारत की भागीदारी को ऐतिहासिक कहने के निहितार्थ

* भारत ने सक्रिय रूप से भागीदारी की है
* भारत एक उभरती हुई शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है
* भारत के द्विपक्षीय व बहुपक्षीय सहयोग इन देशों के साथ हैं।
* ऊर्जा, संसाधन, तकनीक, व्यापार के क्षेत्र में इन देशों में सहयोग हो रहा है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

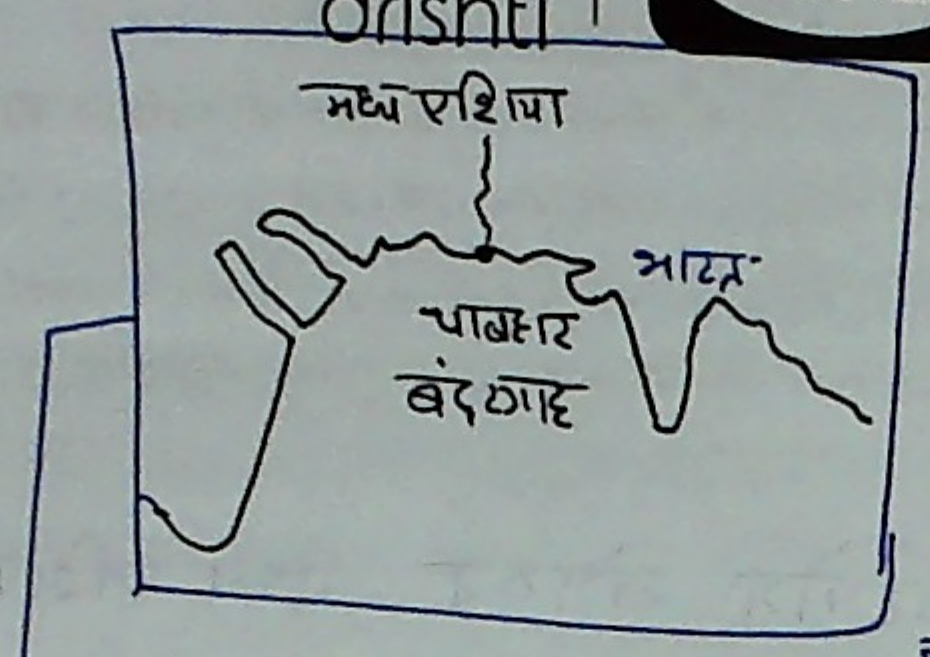

उम्मीदवार का इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)




भारत मध्य एशिया से जुड़ने का प्रयास कर रहा है
↓
कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी

**भारत के लिए भूराजनीतिक महत्व**

- → हिंद महासागर से मध्य एशिया होते हुए यूरोप पंहुचने का लक्ष्य
- → ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता सम्भावित देश पेट्रोलियम व गैस के निर्यातक
- → TAPI परियोजना की सफलता
- → ताजिकिस्तान में भारतीय सैन्य अड्डा
- → अमेरिका द्वारा ईरान का बहिष्कार के संबंधों में संतुलन हेतु आवश्यक

इस्लामिक सहयोग संगठन में शामिल होकर भारत ने स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय देते हुए अपने हितों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

| उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

10. हाल ही में विदेश मंत्रालय ने एक समर्पित भारत-प्रशांत विभाग की स्थापना की है। इस संदर्भ में भारत के लिये भारत-प्रशांत क्षेत्र के भू-राजनीतिक महत्त्व का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Recently the Ministry of External Affairs has setup a dedicated Indo-Pacific division. In this context examine the geo-political significance of the Indo-Pacific region for India. (150 words) 10




INDO-पेसेफिक का महत्व

* व्यापार
* अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती चीन की भूमिका
* भारत की एक्ट ईस्ट पोलिसी को आकार → ASEAN से जुड़ाव
* हिंद महासागर में पोली मेटेलिक नाड्यूल्स रेयर अर्थ मेटल्स

→ समुद्री सुरक्षा → पाइरेसी

→ आतंकवाद से सुरक्षा

→ समुद्री मार्ग सुरक्षा

→ अन्य संसाधन
- मत्स्य
- ज्वारीय ऊर्जा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* भारत की हिंद महासागर में भू राजनीतिक स्थिति ने इस क्षेत्र की महत्ता को बढ़ाया है।

* अमेरिका
  → पेसिफिक क्षेत्र को इंडो-पेसेफिक के रूप में मान्यता दी है

* आस्ट्रेलिया
  - इंडो पेसिफिक की मान्यता को स्वीकारता है

* आसियान देशों की इस क्षेत्र में उपस्थिति इस क्षेत्र को भारत के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। इसी को इंगित इंडो-पेसिफिक विज़न की स्थापना की गयी है

- भारतीय हितों की सुरक्षा होगी
- क्षेत्र विशेष्रित विदेश नीति का संचालन होगा
- इस क्षेत्र के देशों से द्विपक्षीय व बहुपक्षीय व संघीय संबंध मजबूत होंगें।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

d drishti | दृष्टि The Vision

11. भारत में हाल ही में कौन-से चुनाव सुधार लागू किये गए हैं? आपके अनुसार चुनाव सुधार संबंधी किन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाना अभी शेष है? (250 शब्द) 15

What are some of the recent electoral reforms introduced in India? Which issues, according to you, still remain to be addressed as far as electoral reforms are concerned? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी लोकतंत्र की सफलता स्वतंत्र, निष्पक्ष व बहुलापक चुनावों द्वारा ही संभव है। भारत में यह दायित्व चुनाव आयोग को दिया गया है। अनु. 324 के तहत संवैधानिक संस्था के रूप में यह न केवल चुनावों का आयोजन करती है बल्कि चुनाव सुधारों को भी प्रेरित करती है।

## चुनाव आयोग द्वारा किए गए सुधार

(*) मतदान में VVPAT (वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल) शामिल की गई ताकि मतदाता का चुनाव व संस्था में विश्वास बढ़े।

* सोशल मीडिया पर आचार संहिता का पालन - सोशल मीडिया प्लेटफार्म संचालकों



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्वारा बनायी गयी मॉडल आचार संहिता का प्रयोग किया गया।

* चुनावों को शांतिपूर्ण बनाने हेतु अपनी शक्तियों का प्रयोग कर बंगाल में समय पूर्व प्रचार बंद करवाने का निर्णय

* चुनावी वित्त पोषण
  - चुनावी बांड को पहली बार लागू किया गया
  - 2000 से अधिक नकद के दान का खुलासा करना अनिवार्य
  - आयकर व चुनाव आयोग को रिपोर्ट में आय स्रोतों की जानकारी देना

* अन्य प्रयास
  - मतदान % बढ़ाने हेतु जन जागरूकता अभियान
    - सोशल मीडिया
    - प्रिंट मीडिया
    - TV
  - उम्मीदवारों के खर्चों पर कड़ी निगरानी
  - भाषणों पर निगरानी
  - आचार संहिता का अनुपालन कठोरता पूर्वक लागू किया गया।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

**अभी भी ध्यान केंद्रित के मुद्दे**

- आचार संहिता को कानूनन लागू करवाना
- चुनावी खर्च की सीमा के उल्लंघन की निष्पक्ष जाँच
- राजनीति में अपराधीकरण को रोकना
- सोशल मीडिया विज्ञापनों का विनियमन व इसे चुनावी खर्च में शामिल किया जाना।
- वोटिंग मशीन (EVM) से जुड़ी आशंकाओं को दूर कर जनता में संस्था के प्रति विश्वास बहाली।

चुनाव आयोग में संस्थागत सुधार, चुनाव आयोग द्वारा सुधार, राजनीतिक दलों द्वारा स्वनियमन के सिद्धांतों द्वारा स्वस्थ लोकतांत्रिक भारत के सपने को साकार किया जा सकता है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत में मानव अधिकार आयोगों द्वारा सामना की जाने वाली संरचनात्मक और व्यावहारिक सीमाओं पर चर्चा करते हुए इन संस्थानों को सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

While discussing structural and practical limitations faced by Human Rights Commissions in India, suggest measures to strengthen these institutions. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अंशुल अंतर्राष्ट्रीय उत्तरदायित्व की अनुपालना

मैं भारत में मानवाधिकार आयोग की स्थापना की गयी। यह बहुसदस्यीय वैधानिक निकाय है जिसे मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत स्थापित किया गया है

संरचनात्मक सीमाएँ

→ संसाधनों की विपुलता में पारदर्शिता का अभाव है

→ मानवाधिकार आयोग संसाधन सीमितता को झेल रहा है

पर्याप्त

वित्तीय संसाधनों

मानव संसाधनों

अवसंरचनाओं की कमी है

→ राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग, राष्ट्रीय बाल आयोग के अध्यक्षों का प्रतिनिधित्व



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यवहारिक समस्याएँ

→ स्वंय के पास जाँच एजेंसीयों का ना होना

→ विदेशों की अनुपालना ना होने पर दण्ड लगाने की शक्ति का ना होना

→ स्वंय द्वारा दण्डित करने की शक्तियों का ना होना

→ सर्वाधिक मानवाधिकार घटनाएँ AFSPA क्षेत्रों में जहाँ इनकी शक्तियों का शिकार नहीं है

→ 1वर्ष से पुरानी शिकायतों का संज्ञान नहीं ले सकता

## सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु उपाय

* नियुक्ति, पदोन्नति सेवा शर्तों में पारदर्शिता लाने की आवश्यकता है

* मानवाधिकार आयोग की शक्तियों का



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विचार किया जाना चाहिए तथा

AFSPA क्षेत्र में भी शक्तियों का विचार

- 1 वर्ष से पुराने मामलों पर स्वत: संज्ञान की शक्ति

* पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए

* मानव संसाधन की भर्ती करने के अधिकार दिए जाने चाहिए।

* आयोग के निर्देशों की गैर अनुपालना की स्थिति में दंड की व्यवस्था होनी चाहिए।

* बाल आयोग, विधि आयोग के सदस्यों का प्रतिनिधित्व

मानवाधिकार आयोग नागरिकों के प्राकृतिक मौलिक अधिकारों की संरक्षणकारी संस्था है इसमें यदि सुधार कर, शक्तियाँ प्रदान कर इसे मजबूत बनाया जा सकता है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत के प्रधानमंत्री ने निरंतर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रणाली का आह्वान किया है। इस संदर्भ में भारत जैसे देश में एक साथ चुनाव आयोजित कराने के लाभों, चिंताओं और चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The Prime Minister of India has repeatedly called for a system of 'One Nation, One Election'. In this context discuss the advantages, concerns and challenges in holding simultaneous elections in a country like India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत का ~~विविध~~ विशाल आकार तथा विशाल जनसंख्या चुनावों को चुनौती के रूप में प्रस्तुत करती है। भारतीय विकेंद्रीकृत व्यवस्था केंद्र स्तर, व राज्य स्तर व स्थानीय स्तर पर चुनाव की व्यवस्था करती है। केंद्र व राज्य स्तर पर एक साथ चुनाव 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की अवधारणा है

लाभ
- विशाल मात्रा में संसाधनों की बचत होगी
- कार्यकाल की क्षमता - नीति निर्माण क्रियान्वयन को प्रभावी बनाएगी तथा एकरूपता लाएगी
- बार बार आचार संहिता लगाने से विकास में पड़ने वाले अवरोधों को कम करेगी
- राष्ट्रवाद व राष्ट्रीयता के मूल्यों को मजबूत करेगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- केंद्र व राज्य के मध्य समन्वय में आसानी होगी।
- राज्यों के स्तर पर चुनावी अनिश्चितता को कम करेगी। स्थिरता का समावेश होगा।

**चिंताएँ**

→ भारत संघात्मक व्यवस्था है। इसका प्रभाव राज्य की स्वतंत्र इकाई के रूप में अस्तित्व पर पड़ेगा

→ मध्यवर्ती चुनावों की स्थिति में अगली सरकार के लिए कार्यकाल की सुरक्षा नहीं होगी

→ मतदाता के लिए केंद्रीय मुद्दे अलग किस्म के होते हैं तथा स्थानीय मुद्दे अलग किस्म के। मतदाता के चुनने की स्वतंत्रता पर अवरोध होगा

→ स्थानीय दलों, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न होगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ भारत का विशाल आकार पूरे राज्य में एक साथ चुनाव कराने में चुनौती उत्पन्न करता है

चुनौतियाँ

→ एक साथ चुनाव हेतु प्रशासन
सुरक्षा हेतु सुरक्षा बल
मतदान हेतु EVM, VVPAT
जुटाना चुनौतीपूर्ण है।

→ संवैधानिक चुनौती

* सदन के 2/3 बहुमत के साथ आधे राज्यों की सहमति
* वर्तमान कार्यरत विधानसभाओं के कार्यकाल से जुड़ी चुनौती

→ भारतीय संविधान के आदर्श - संघात्मक व्यवस्था को बनाए रखने की चुनौती।

भारतीय राज्यों से वार्ता कर एक आम सहमति बनाकर ही इतने बड़े विषय को लागू किया जा सकता है राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ क्षेत्रीय मुद्दों को महत्व 31 दिया जाना आवश्यक है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The launch of Ayushman Bharat scheme is a significant step towards universal health coverage in India. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत में गरीबी के उच्च स्तर (तेंदुलकर समिति के अनुसार 22%) व निम्न आय को देखें तो स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में उभरता है

* एक रिपोर्ट के अनुमानित 60% स्वास्थ्य खर्च आऊट ऑफ पोकेट खर्च → गरीबी रेखा से नीचे आ जाना
* स्वास्थ्य के कारण GDP की 10% की हानि
* GDP का केवल 2% स्वास्थ्य खर्च

इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए आयुष्मान भारत योजना की परिकल्पना की गयी है

## योजना की विशेषताएँ

इस योजना के दो घटक हैं



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- प्राथमिक द्वितीयक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार
- स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना (3 लाख तक का बीमा)

* देश के 10 करोड़ लोगों को लाभान्वित करने की योजना
* निजी क्षेत्रक में भी इलाज कराने की सुविधा
* लाभार्थी की पहचान राज्यों द्वारा।

**योजना का विश्लेषण**

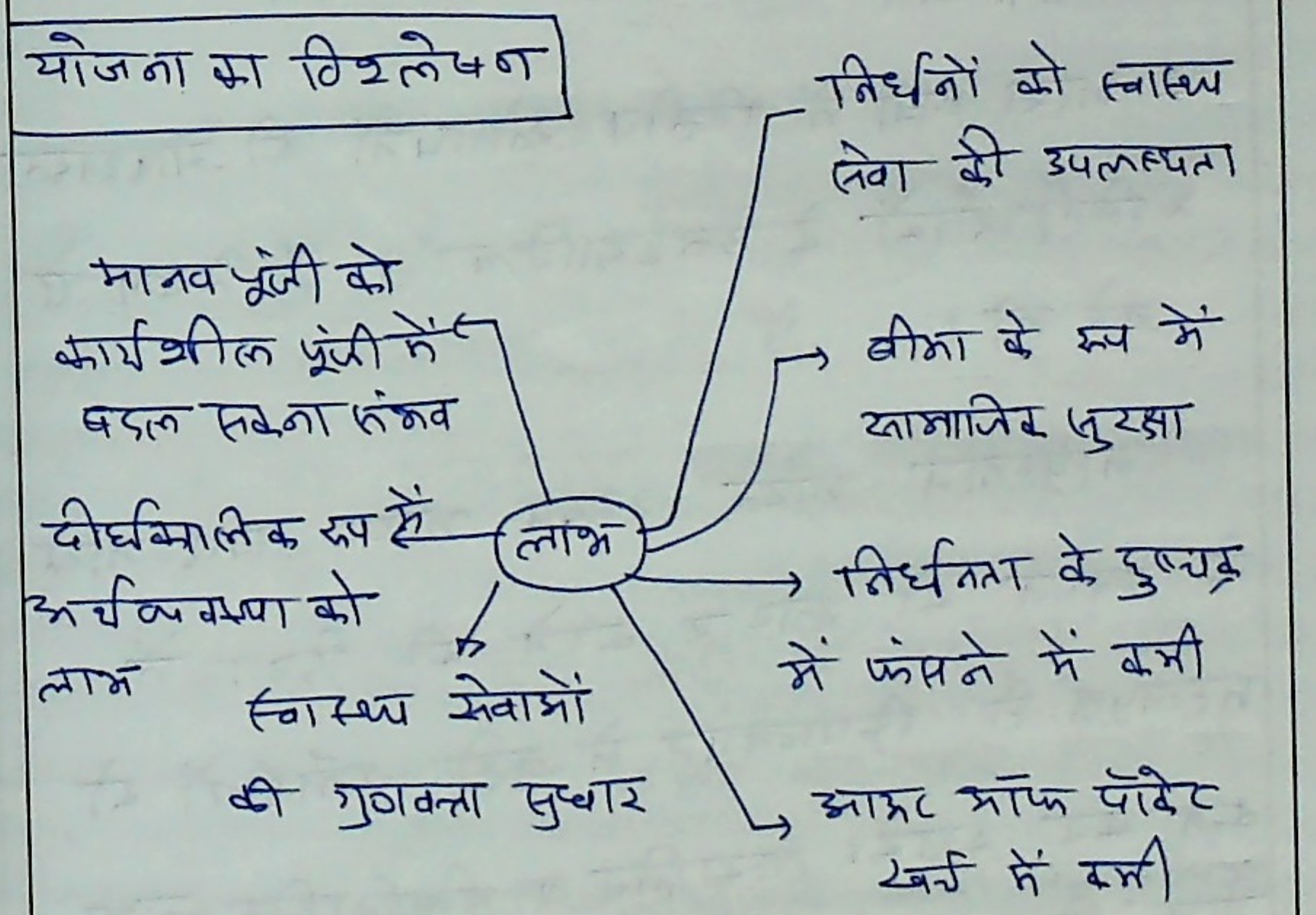

लाभ:
- निर्धनों को स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता
- बीमा के रूप में सामाजिक सुरक्षा
- निर्धनता के दुष्चक्र में फंसने में कमी
- आउट ऑफ पॉकेट खर्च में कमी
- स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार
- दीर्घकालिक रूप में अर्थव्यवस्था को लाभ
- मानव पूंजी को कार्यशील पूंजी में बदल सकना संभव



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

# चुनौतियाँ

* सार्वजनिक स्वास्थ्य गुणवत्ता
  - हाल ही में संक्रमण से लोगों की मौत

* निम्न अवसंरचनात्मक स्वास्थ्य स्थितियाँ
  - भवन
  - बेड
  - उपकरण
  - दवाएँ
  - OPD पर दबाव

* मानव संसाधन
  * डॉक्टर - 1 लाख जनसंख्या पर केवल 32
  * नर्स

* भारी मात्रा में वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता
* निजी क्षेत्रकों के उत्तरदायित्व व नैतिकता से जुड़े मुद्दे।

आयुष्मान भारत स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियों को कम कर इसके तत्कालिक व दीर्घकालिक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. सरकार की संसदीय प्रणाली के गुण और दोष क्या हैं? भारत में संसदीय प्रणाली को अपनाने के क्या कारण थे? (250 शब्द) 15

What are the merits and demerits of the parliamentary system of government? What were the reasons for adopting parliamentary system in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत ने ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली को अपनाया। इस व्यवस्था में जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि विधायिका का निर्माण करते हैं। बहुमत प्राप्त दल कार्यपालिका का चुनाव कर शासन करते हैं।

**संसदीय प्रणाली के गुण**

* सर्वोच्च संस्था के रूप में संसद स्थापित होती है जो संविधान के मूल्यों का परिरक्षण करती है
* यह प्रतिनिधि मूलक लोकतांत्रिक व्यवस्था है
* सदस्यों, कार्यपालिकाओं के सदस्यों की उत्तरदायित्व संसद के प्रति होता है
* संसद कार्यपालिका के कार्यों पर नियंत्रण



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रखती है।

* सत्ता व्यक्ति विशेष द्वारा संचालित ना होकर एक संस्था द्वारा संचालित होती है

* संसद हर निर्णय, खर्च, विधान का औचित्य निर्धारण करती है।

दोष

→ यह अध्यक्षीय प्रणाली के विपरीत है जिसमें कार्यपालिका व्यवस्थापिका से स्वतंत्र होती है




अध्यक्षीय प्रणाली     संसदीय प्रणाली

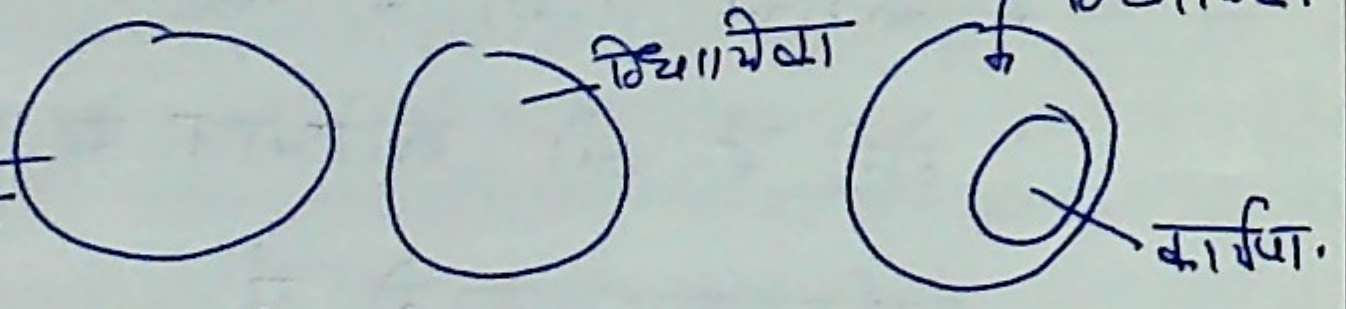

→ गठबंधन सरकारें अस्थिरता उत्पन्न करती हैं।

→ संसद कई महत्वपूर्ण निर्णयों को स्वतंत्र रूप से लेने से रोकती है

→ इससे निर्णयों में देरी होती है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत द्वारा संसदीय प्रणाली अपनाए जाने के कारण

* संविधान निर्माताओं ने तत्कालीन परिस्थितियों व भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रणाली को चुना
* तत्कालीन अधिकांश जनसंख्या निरक्षर थी आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली जैसी पद्धतियों को समझना कठिन था। संसदीय प्रणाली सरल थी।
* भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान संस्थाओं का विकास संसदीय रूप में ही हुआ था।
* यह व्यवस्था व्यक्ति विशेष के महिमामंडन से बचाती है।
* भारत जैसी विविधता वाले देश में उपयुक्त
* जन प्रतिनिधियों का प्रत्यक्ष चुनाव सीधे जनता के प्रति उत्तरदायी बनाता है

संसदीय शासन का स्वरूप शासन को उत्तरदायी जवाबदेह बनाता है। जनप्रतिनिधि जनता से सीधे तौर पर जुड़े होते हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. यद्यपि राजनीतिक कार्यपालिका और स्थायी कार्यपालिका के बीच एक स्वस्थ संबंध सुशासन के लिये अत्यंत आवश्यक है, परंतु व्यवहार में दोनों के मध्य कई संघर्षपूर्ण क्षेत्र विद्यमान हैं। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Though a healthy relationship between the political executive and the permanent executive is critical for good governance but in practice there are multiple conflict areas in the relationship between the two. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत की कार्यपालिका राजनीतिक कार्यपालिका (अस्थायी) व नौकरशाही (स्थायी) के रूप में विभाजित है। जिसमें नीति के निर्माण का उत्तरदायित्व राजनीतिक कार्यपालिका को तथा नीति क्रियान्वयन का उत्तरदायित्व नौकरशाही/सिविल सेवकों को दिया गया है।

सैद्धान्तिक तौर पर विभाजन होने के बावजूद दोनों एक दूसरे के पूरक हैं जो

- कल्याणकारी राज्य की स्थापना
- शासन प्रबंधन
- लोक वित्त प्रबंधन
- गुणवत्ता युक्त सेवा अदायगी
- विनियमन

के कार्यों को जनता की भलाई हेतु सम्पादित करते हैं।

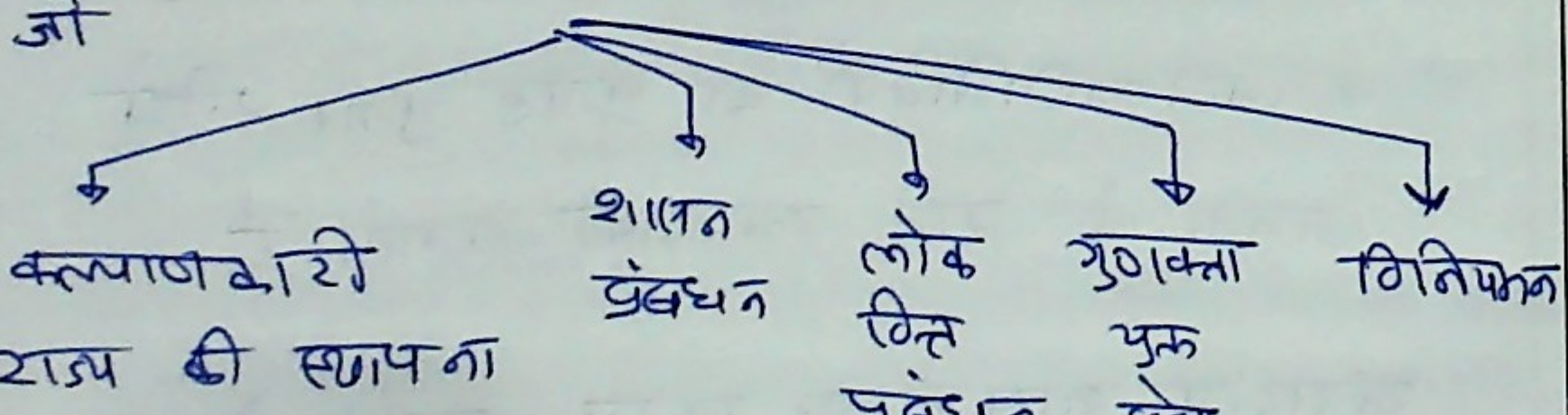



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुशासन एक आधुनिक संकल्पना है जिसमें लोकाचार, समता, न्याय, कर्तव्य जैसे गुण विद्यमान है




सुशासन के चार स्तम्भ

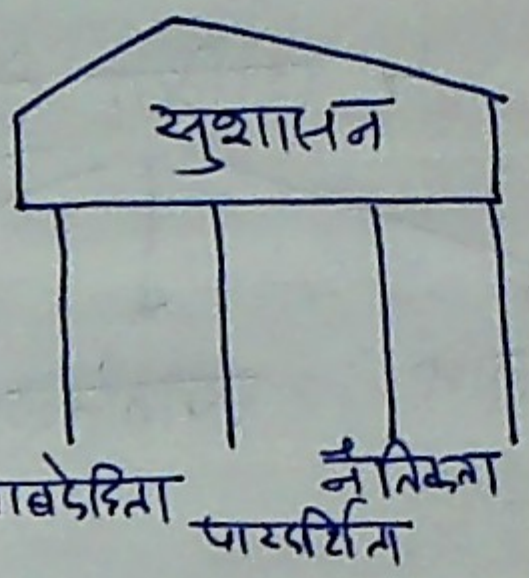

सुशासन की सफलता कार्यपालिका पर निर्भर है

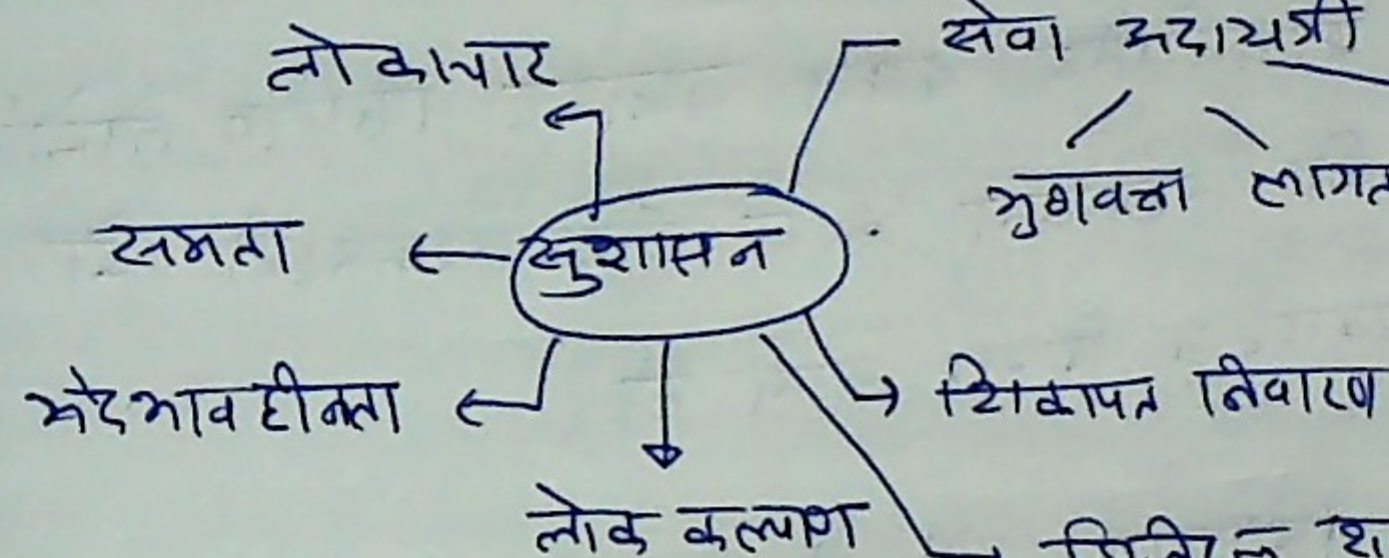




परन्तु दोनों के मध्य कुछ क्षेत्रों में संघर्ष देखने को मिलता है

↳ <u>नियुक्ति</u> : सचिव, प्रधान सचिव, अतिरिक्त सचिव, निदेशक जैसी नियुक्तियाँ राजनीति प्रेरित होती हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

↳ सिविल सेवकों

- पदलाभ
- स्थानांतरण
- विभागों में गैरजरूरी नियुक्ति
- पदोन्नति
- पुरस्कार

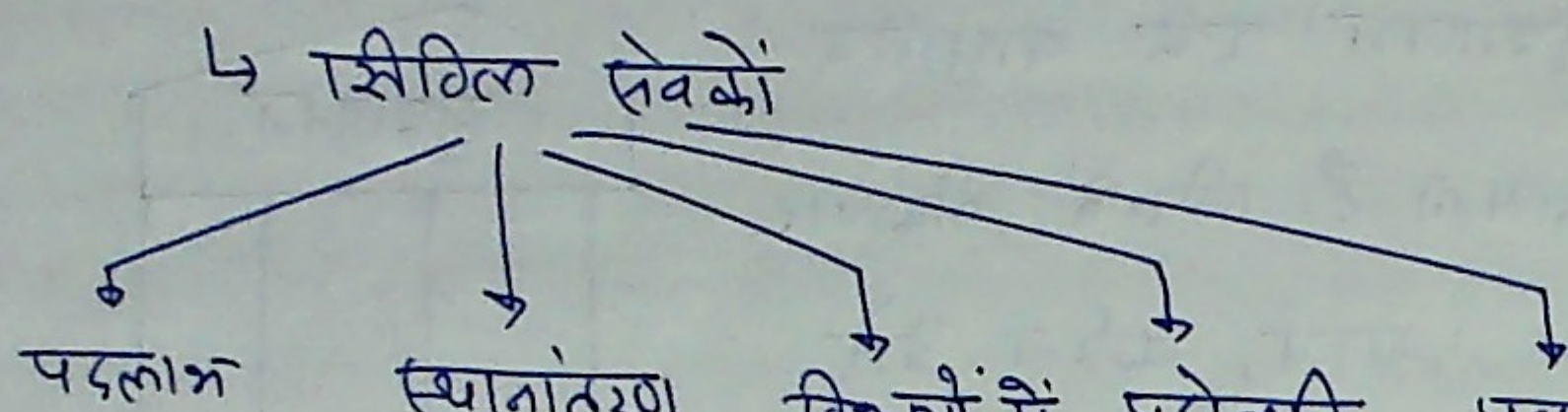

में राजनीति का हस्तक्षेप देखने को मिलता है।

↳ राजनीतिक दबाव बनाकर सिविल सेवकों की तटस्थता व गैर तरफदारी को खारिज किया जाता है।

↳ क्रियान्वयन में भी राजनीतिक हस्तक्षेप देखने को मिलता है।

↳ गैर महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न किया जाना
- UP में कावड़ियों पर फूल बरसाना।

शासन कार्यपालिका द्वारा संचालित होता है नौकरशाही परदे के भीतर सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन करती है। दोनों का सहयोग शासन के लिए आवश्यक है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. वैकल्पिक विवाद समाधान (ए.डी.आर.) तंत्र के कई लाभ होने के बावजूद भारत में इसकी संभावनाओं का पूर्णतः उपयोग करना शेष है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite having numerous advantages, the potential of Alternative Dispute Resolution (ADR) mechanism remains underutilized in India. Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न्यायिक व्यवस्था के विलम्ब के रूप में अन्य व्यवस्थाओं व संस्थायों डाटा जाय व विवाद का समाधान वैकल्पिक विवाद समाधान कहलाता है

ADR के विभिन्न प्रकार

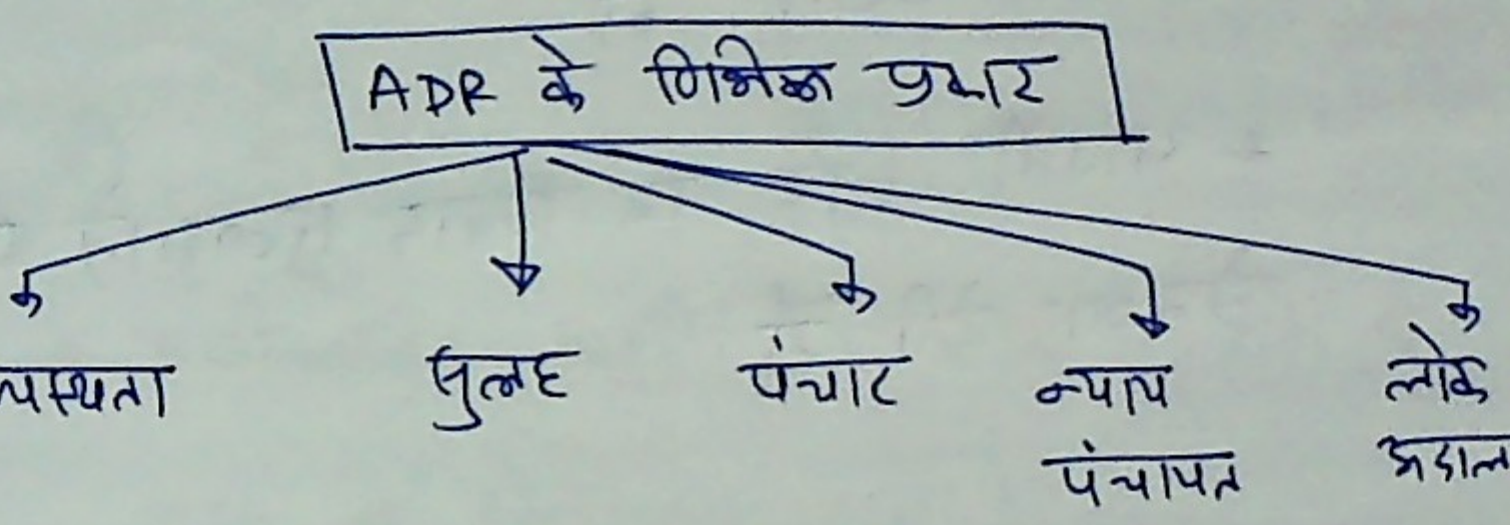


ADR तंत्र के लाभ

* न्यायपालिका का विलम्ब प्रस्तुत करते हुए न्यायपालिका के बोझ को कम करती है - 2 करोड़ से अधिक अदालतों में मुकदमें लंबित

* यह लागत प्रभावी हो धन की बचत होती है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* न्याय पालिका की तुलना में तेज है।
जिससे समय की बचत होती है
* न्यायपालिका की औपचारिकताओं की पालना आवश्यक नहीं होता
* प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों पर कार्य करती है
* आपसी स्तर पर विवाद सुलझाने की प्रेरणा देती है

ADR के लाभों के बावजूद भारत में इस तंत्र को कम सफलता मिली है

**कारण**

* लोगों में जनजागरूकता का अभाव
* लोक अदालतों का आयोजन समय पर न किया जाना
* कुछ राज्यों द्वारा ही लोक अदालतें



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्थापित की गयी हैं।

* इनके निर्णयों के प्रति असहमति होने पर न्यायपालिका जाने का विकल्प

* मध्यस्थता तभी संभव जब संविदा में ऐसी व्यवस्था हो.

* ADR को न्याय के सीमित क्षेत्रों में ही शक्तियाँ प्राप्त हैं।

* पारिवारिक मामलों को लोक अदालतों के तहत न निपटाया जाना।

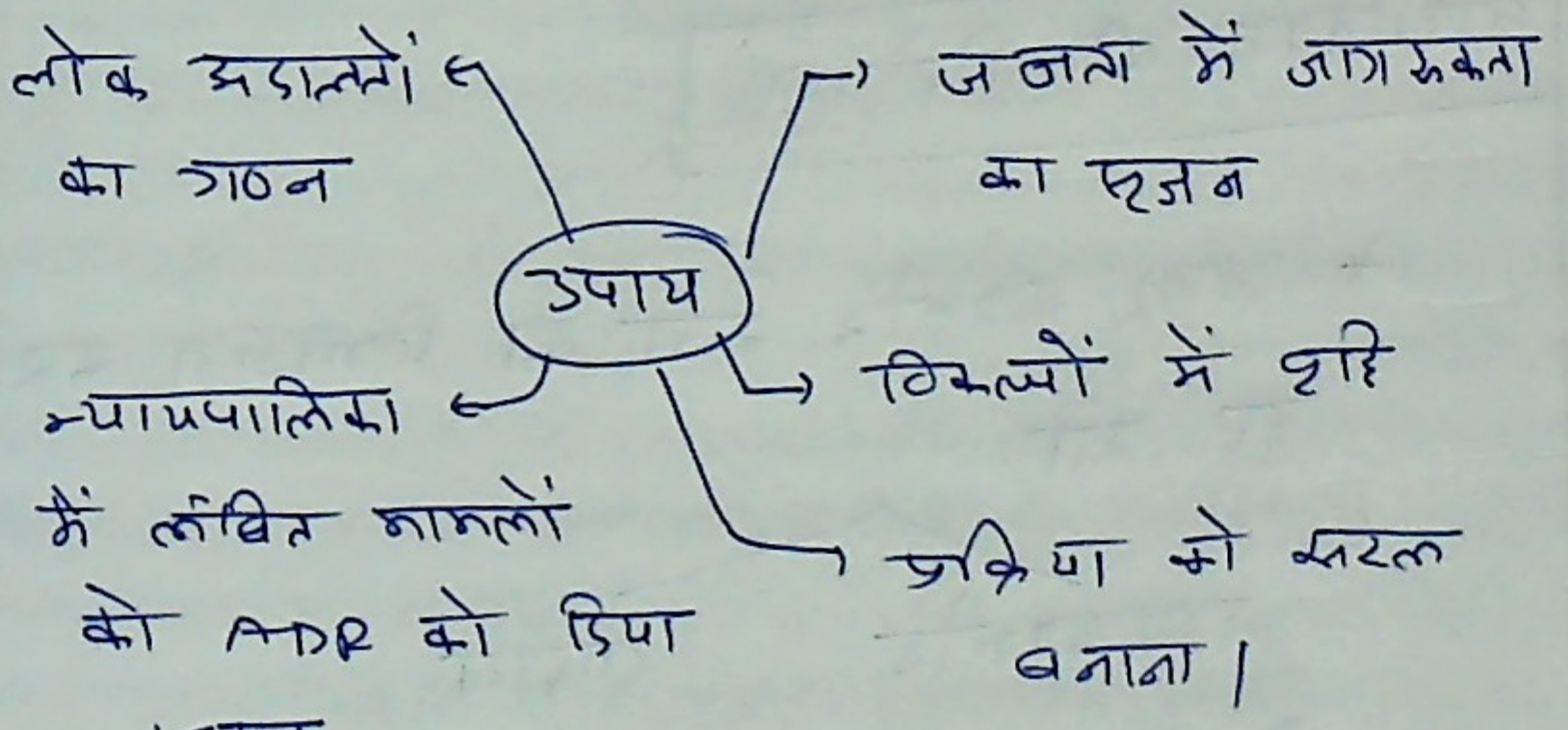




www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के प्रमुख प्रावधानों का उल्लेख करते हुए, भारत के लिये अनुच्छेद 370 के अंतर्गत विशेष प्रावधानों को रद्द करने के संभावित निहितार्थों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

While mentioning the key provisions of the Jammu and Kashmir Reorganisation Act 2019, discuss the possible implications of scrapping of special provisions under Article 370 for India. (250 words) 15

1947 में जम्मू कश्मीर को भारत में विलय करते हुए इसके लिए संविधान में विशेष प्रावधानों की व्यवस्था की गयी थी।

इन विशेष प्रावधानों की समाप्ति करते हुए जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम -2019 पारित किया गया

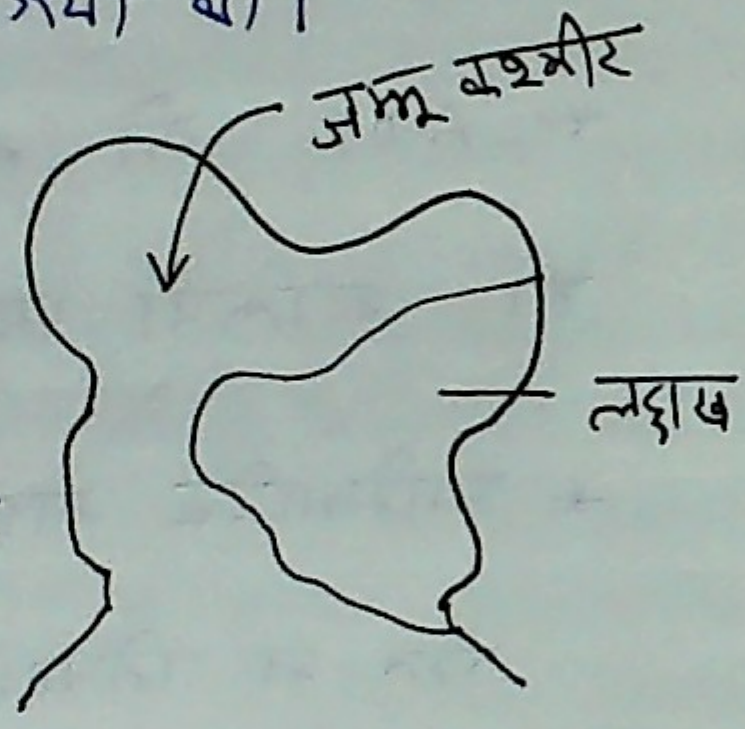


## अधिनियम की विशेषताएँ

* जम्मू कश्मीर राज्य का विभाजन करते हुए इसे

जम्मू कश्मीर  लद्दाख

दो केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पुनर्गठित किया गया है

* जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा व मुख्यमंत्री व मंत्रिपरिषद होगी।

* अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किया गया है जिससे अब पूरा भारतीय संविधान जम्मू कश्मीर पर लागू होगा

↳ इससे पहले जम्मू कश्मीर का अलग संविधान था।

* देश के किसी भी व्यक्ति को जम्मू कश्मीर में संचरण, बसने, संपत्ति खरीदने, व्यवसाय करने, की स्वतंत्रता होगी।

## अनुच्छेद 370 समाप्त करने के निहितार्थ

* महिला समानता स्थापित होगी
  - इससे पहले किसी अन्य राज्य के व्यक्ति



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से शादी करने पर संपत्ति के लाभों से

वंचित रखा जाता था

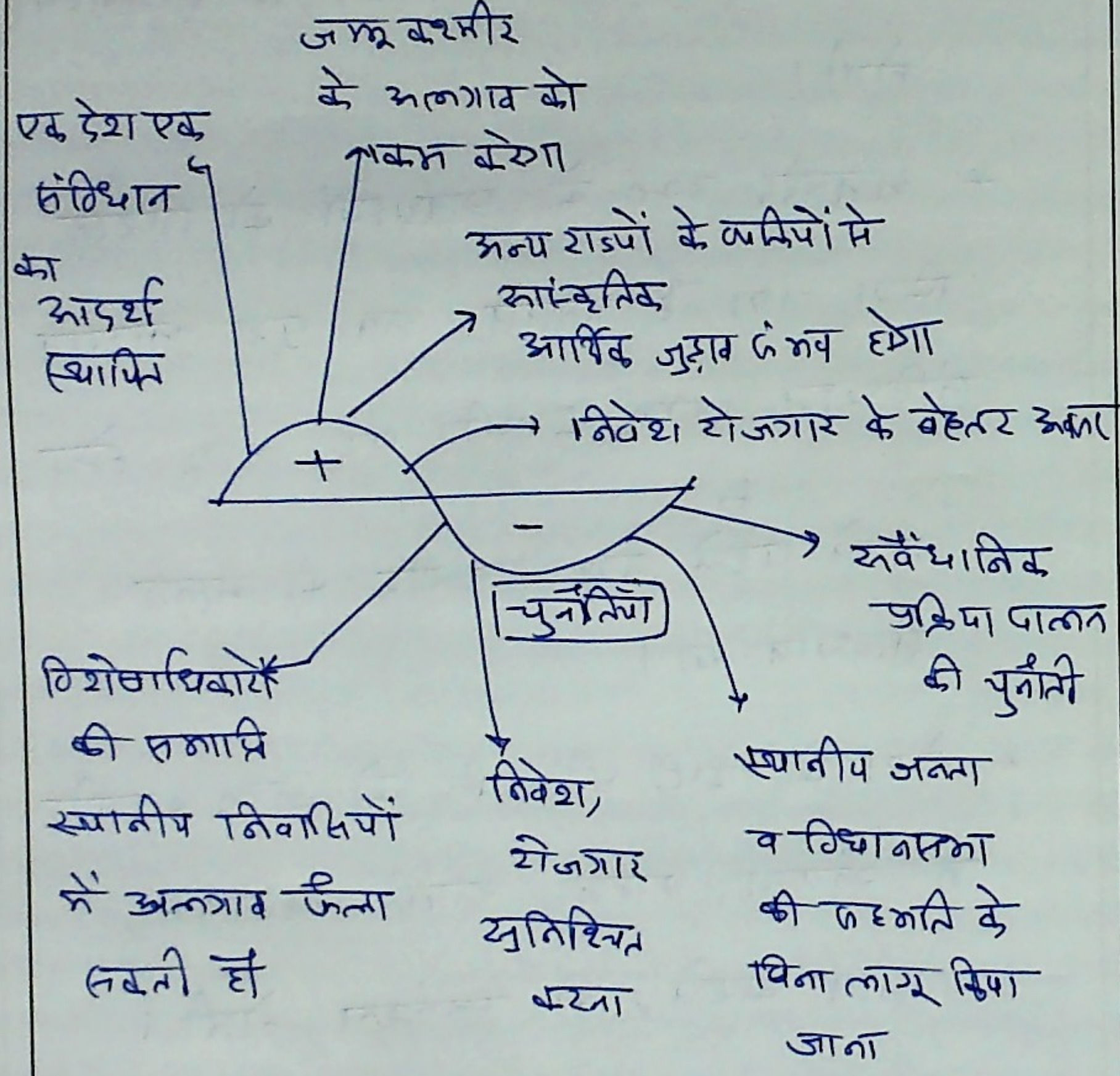


जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन देश के एकीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम है स्थानीय निवासियों के संशयों को दूर कर शांति व्यवस्था कायम की जा सकती है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि मालदीव में एक नई सरकार की स्थापना के साथ ही भारत-मालदीव के बीच संबंधों में मतभेद समाप्त हो गया है? (250 शब्द) 15

With the inauguration of a new government in Maldives, do you agree that the rough patch in the relationship between India-Maldives is over? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत मालदीव संबंधों में उतार चढ़ाव देखने को मिलते हैं। हाल ही में मालदीव में नई सरकार की स्थापना हुई है। भारत के साथ संबंधों में बदलाव देखने को मिलेंगे है।

भारत मालदीव सहयोग के क्षेत्र

* हिंद महासागर से जुड़े मुद्दे-

- सुरक्षा
- व्यापार
- संसाधनों का निष्कर्षण
- भूराजनीति

- मानसून
- मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में सहयोग



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* आपदा प्रबंधन

- सुनामी पूर्वानुमान हेतु भारत ने मालदीव में सेंसर लगाए हैं।

* क्षेत्रीय सहयोग

- IORA - हिंद महासागर रिम एसोसिएशन
- SAARC - दक्षिणी एशियाई सहयोग संगठन

* व्यापार

- द्विपक्षीय व्यापार में एक बड़ी हिस्सेदारी भारत की है

* निवेश

- भारत एक प्रमुख निवेशकर्ता

* सैन्य

संयुक्त सैन्य अभ्यास
भारत द्वारा सैन्य हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए गए।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

**चुनौतियों के क्षेत्र**

→ **चीन की उपस्थिति**
मालदीव में चीन की उपस्थिति बढ़ी है वह उसे ऋण, क्रेडिट लाइन सहयोग प्रदान कर रहा है

→ **नेतृत्व का उतार चढ़ाव**
सत्ता का एक पक्ष भारत के सहयोग में एक पक्ष भारत को हस्तक्षेपकारी मानता है
↓
दीर्घकालिक संबंधों पर प्रभाव

→ भारतीय हितों को साधते हुए मालदीव के हितों की रक्षा - एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता।

भारत के पड़ोसी देशों में 'बिग ब्रदर' की भूमिका वाला दृष्टिकोण उनको नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है पंचशील सिद्धांतों का उपयोग कर मालदीव के साथ संबंधों में सुधार किया जा सकता है


Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.) के सुधारों के प्रति भारत का क्या दृष्टिकोण है? इन सुधारों को लागू करने में विलंब के क्या कारण हैं? (250 शब्द) 15

What is India's perspective on the United Nations Security Council (UNSC) reforms? What are the reasons for delay in bringing out these reforms? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

UNSC संयुक्त राष्ट्र की सबसे ताकतवर व प्रभावी संस्था है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति व्यवस्था बनाए रखना इसका उद्देश्य है।

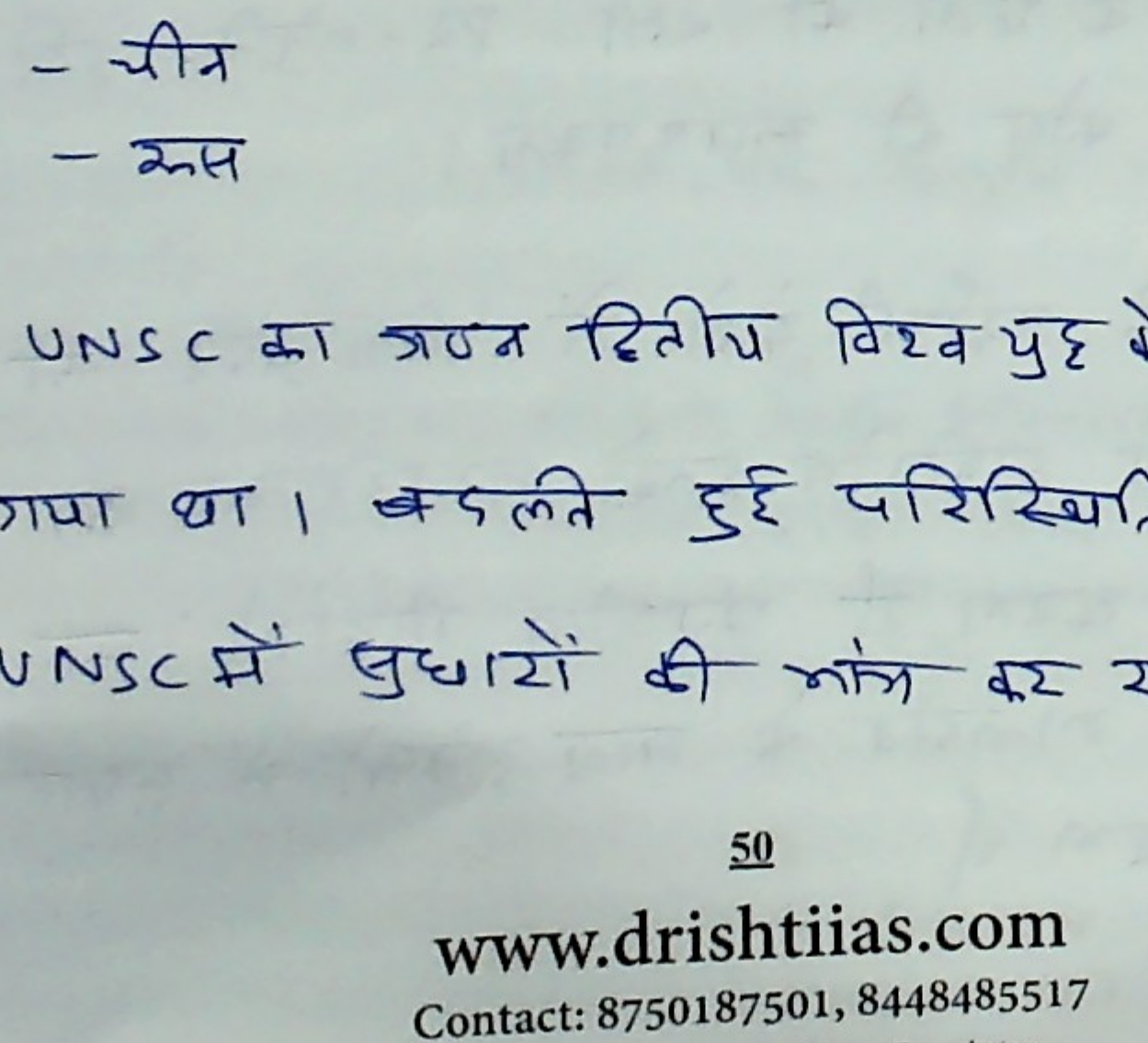


UNSC का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किया गया था। बदलते हुई परिस्थितियों में भारत UNSC में सुधारों की मांग कर रहा है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## सुधारों के प्रति भारत का दृष्टिकोण

* IBSA के माध्यम से भारत स्थायी सदस्यों का विस्तार कर भौगोलिक संतुलन की मांग करता है

* भारत भूराजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप से पिछले वर्षों में उभरा है भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए

* भारत वीटो आधारित व्यवस्था में सुधार की मांग करता है कभी कभी ~~एकपक्षीय~~ निर्णयों में वीटो शक्ति का दुरुपयोग किया जाता है
   - उदा. जम्मू कश्मीर मामलों में चीन द्वारा वीटो किया जाना

* वीटो के स्थान पर स्थायी परिषद का विस्तार कर बहुमत का निर्णय लागू करने का समर्थन करता है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

**विलंब के कारण**

- एकमत ना बन पाना
  - सभी महासभा के सदस्यों में सुधारों के प्रति एकमतता नहीं है
- सुधार हेतु P5 देशों की सहमति + महासभा के 3/4 देशों की सहमति की आवश्यकता है।
  - P5 देश अपने विशेषाधिकार छोड़ने को तैयार नहीं
- प्रतिस्पर्धी देशों द्वारा विरोध
  - उदा० कॉफी क्लब के माध्यम से पाकिस्तान द्वारा भारत का
  - अर्जेंटीना द्वारा ब्राजील का
- सुझाए गए विभिन्न विकल्पों में ना शामिल होने वाले देशों का विरोध

UNSC का निर्माण तत्कालीन परिस्थितियों में किया गया था। बदली हुई परिस्थितियां सुधारों को महत्वपूर्ण बताती हैं



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation